नित्य कर्मों में कैसी जपमाला हो ?

नित्य जप के लिए 27, 54 या 108 मणियों की जपमाला का प्रयोग किया जाता है। किंतु गले की माला का उपयोग जप के लिए नहीं करना चाहिए। साथ ही जप की माला गले में नहीं डालनी चाहिए। यदि उपर्युक्त माला–संस्कार संभव न हो तो माला को पंचगव्य से प्रोक्षण करके उस पर गंध लेपन करें। प्रत्येक मणि पर इष्टदेवता एवं कुलदेवता के मंत्र को 100 बार जपें। बाद में पंचोपचार पूजा करके माला का उपयोग करें।।

★★★